www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शनिवार
4 जून 2022, नोएडा, नवां संस्करण

• पांच प्रदेश • 21 संस्करण

विश्वनाथन आनंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में चीन के खिलाड़ी को हराया

टर्मिनल, रनवे, एयरसाइड इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क और सहायक इमारतों का निर्माण करेगी

जेवर एयरपोर्ट का निर्माण टाटा करेगी, 2024 में उड़ान शुरू होगी

जेवर एयरपोर्ट

5730 करोड़ रुपये खर्च होंगे प्रोजेक्ट पर

40 साल का करार हुआ है विकास करने वाली कंपनी के साथ

10 इमिग्रेशन काउंटर बनाए जाएंगे यात्रियों का समय बचाने के लिए

"जेवर एयरपोर्ट की डिजाइन टिकाऊ विकास पर आधारित है। एयरपोर्ट का निर्माण हरित आधारभूत ढांचे को अपनाकर किया जाएगा। तय समय पर यहां से उड़ान शुरू हो जाएंगी।

-डॉ .अरुणवीर सिंह, सीईओ
नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स कंपनी करेगी। यह कंपनी टर्मिनल, रनवे, एयरसाइड इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, लैंडसाइड सुविधाएं और इससे सहायक इमारतों का निर्माण करेगी। साथ ही, यह कंपनी परियोजना के लिए इंजीनियरिंग और निर्माण सामग्री की आपूर्ति को भी पूरा करेगी। सितंबर 2024 से पहले निर्माण कार्य पूरा करके यहां से उड़ान शुरू करनी है। टाटा प्रोजेक्ट्स पहले चरण में एक रनवे का काम पूरा करेगी। इस चरण में 5730 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी ने वर्ष 2019 में जेवर एयरपोर्ट को विकसित करने के लिए बिड हासिल की थी। 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका शिलान्यास किया था। स्विस कंपनी की एसपीवी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) ने जेवर एयरपोर्ट के निर्माण के लिए टेंडर निकाले थे। इसमें टाटा प्रोजेक्ट्स, एलएंडटी समेत तीन कंपनियों को शार्ट लिस्ट किया गया था।

वाईआईएपील ने टाटा प्रोजेक्ट्स को एयरपोर्ट निर्माण के लिए चुना है। वाईआईएपील ने बताया कि कंपनी को टर्मिनल, रनवे, एयरसाइड इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, लैंडसाइड सुविधाएं और अन्य सहायक इमारतों का निर्माण कार्य करना होगा। साथ ही, कंपनी इस परियोजना के लिए इंजीनियरिंग, निर्माण सामग्री की आपूर्ति और निर्माण से जुड़ी तमाम गतिविधियों को पूरा करेगी।

टाटा प्रोजेक्ट्स के अनुभव को देखते हुए वाईआईएपीएल ने इसका चुनाव किया है। टाटा प्रोजेक्ट्स कंपनी इस वक्त दिल्ली में संसद भवन की नई इमारत, मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक, ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर के अलावा मुंबई, पुणे, दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद और चेन्नई में मेट्रो परियोजनाओं पर काम कर रही है। वाईआईएपीएल ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट भारतीय संस्कृति, आतिथ्य और स्विस तकनीक का संगम होगा। इसे अत्याधुनिक, आत्मनिर्भर और भारतीय परंपराओं से प्रभावित आर्किटेक्चर पर बनाया जाएगा। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि एयरपोर्ट का निर्माण कुछ इस ढंग से किया जाएगा कि पर्यावरण को बिल्कुल भी नुकसान ना पहुंचे।

देरी हुई तो जुर्माना लगेगा

एयरपोर्ट में टर्मिनल वन बिल्डिंग 90 हजार वर्ग मीटर में बनेगी। विकासकर्ता कंपनी के साथ किए गए अनुबंध के मुताबिक 30 सितंबर 2024 से पहले एयरपोर्ट से उड़ान शुरू हो जाएंगी। पिछले साल अक्तूबर में लखनऊ में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) और विकासकर्ता कंपनी के बीच 40 साल का अनुबंध हुआ था।

पूरी तरह से हरा-भरा होगा

टाटा प्रोजेक्ट्स के सीईओ विनायक पाई ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट से जुड़ा काम हासिल करके उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही है। टाटा प्रोजेक्ट्स और वाईआईएपीएल मिलकर देश का सबसे बड़ा, अत्याधुनिक और पर्यावरण हितैषी एयरपोर्ट बनाएंगे। इसके निर्माण में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग करेंगे। एयरपोर्ट का यात्री टर्मिनल अद्भुत होगा।

साइट पर निर्माण

क्रिस्टोफ शनेलमैन
वाईआईएपीएल के सीईओ क्रिस्टोफ शनेलमैन ने कहा कि वह टाटा प्रोजेक्ट्स को नोएडा एयरपोर्ट के निर्माण का काम देकर खुश हैं। अब यह परियोजना अगले चरण में प्रवेश कर गई है। साइट पर जल्दी ही निर्माण गतिविधियां नजर आने लगेंगी। वर्ष 2024 तक एयरपोर्ट का टर्मिनल और रनवे आदि तैयार कर लिया जाएगा।